एआईसीआरपी के पीएचईटी पर 39वीं वार्षिक कार्यशाला का सफल समापन

लुधियाना, 15 मार्च, 2024: पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एआईसीआरपी ऑन पीएचईटी) पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 39वीं वार्षिक कार्यशाला आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। तीन दिवसीय कार्यशाला 13 से 15 मार्च, 2024 तक आयोजित की गई थी।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में डॉ. एस.एन. झा, डीडीजी (कृषि इंजीनियरिंग) आईसीएआर, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के साथ डॉ. के. नरसैया, एडीजी (प्रोसेस इंजीनियरिंग), आईसीएआर, नई दिल्ली सहित ; डॉ. एस पटेल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर (खाद्य प्रक्रिया इंजीनियरिंग), आईजीकेवी रायपुर; डॉ. आर विश्वनाथन, प्रोफेसर (खाद्य प्रक्रिया इंजीनियरिंग), टीएनएयू कोयंबटूर; डॉ वी के सहगल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, पीएयू; और डॉ. के नचिकेत कोतवालीवाले, निदेशक, आईसीएआर-सीफेट की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. एसएन झा ने फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और उसके निरंतर मूल्यांकन पर जोर दिया। उन्होंने हितधारकों के बीच व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण के महत्व पर जोर दिया। डॉ. के नरसिया ने कृषि को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर ध्यान देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. एस पटेल ने भाग लेने वाले केंद्रों की उपलब्धियों की सराहना की, जबकि डॉ. आर विश्वनाथन ने समय के साथ योजना की प्रगति के तुलनात्मक मूल्यांकन किया ।

डॉ. आर.के. विश्वकर्मा, परियोजना समन्वयक एआईसीआरपी (पीएचईटी) ने योजना की प्रगति प्रस्तुत की, जिसमें नीम फल डिपल्पर, डायबलाइट स्मार्ट राइस कुकर, प्याज खराब होने का पता लगाने वाला उपकरण और कटहल के बीज छीलने वाली मशीन जैसी उल्लेखनीय प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा, वर्ष के दौरान योजना के तहत चौंतीस कृषि-प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किए गए, जो परियोजना की प्रभावशाली प्रगति को दर्शाता है।

तकनीकी सत्रों में नए अनुसंधान प्रस्तावों पर चर्चा और चल रही परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की गई। डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले ने अनुसंधान प्रयासों में नवाचार के महत्व पर जोर दिया और बौद्धिक संपदा संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. वी.के. सहगल ने इस क्षेत्र में अनुसंधान में सराहनीय प्रगति की सराहना करते हुए खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन क्षेत्र में लगातार चुनौतियों को स्वीकार किया।

कार्यशाला में कुल 76 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें एआईसीआर (पीपीएचईटी) के तहत सहयोगी केंद्रों के वैज्ञानिक, परियोजना जांचकर्ता और अनुसंधान इंजीनियर जो फसल कटाई के बाद की इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने की दिशा में उपयोगी आदान-प्रदान और सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देते थे, शामिल थे।

भाकृअनुप – सीफेट
ICAR-CIPHET
ICAR
भाकृअनुप-सीफेट
ICAR-CIPHET

भाकृअनुप
ICAR
AICRP on Post-Harvest Engineering & Technology
39वीं वार्षिक कार्यशाला
भाकृअनुप-सीफेट
ICAR-CIPHET
R. K. Vishwakarma
Nachiket kotwaliwale
S. N. Jha